मासिक ई-समाचार पत्रिका

अक्टूबर-2022

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर-848 125, बिहार

डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

खंड–3, अंक–10
अक्टूबर, 2022

संरक्षकः
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादनः
डॉ. राकेश मणि शर्मा
पी. कु. प्रणव
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कुमार पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी

तकनीकी सहयोगः
मनीष कुमार
कामदेव कुमार पाल

मुद्रणः
प्रकाशन प्रभाग
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्कः
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

संगठित कृषि शिक्षा और अनुसंधान की जननी कहे जाने वाले देश के इस अत्यंत प्रतिष्ठित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर आसीन होना मेरे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। मैं इस तरह के संस्थान के नेतृत्व करने की चुनौतियों और अवसरों से पूरी तरह अवगत हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि सभी हितधारकों यथा संकाय, छात्र, प्रशासन, परिषद, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग एवं भारत सरकार के सहयोग और समर्थन से चुनौतियों को अवसरों में बदला जाएगा। इस विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की राष्ट्रीय रैंकिंग में ही नहीं बल्कि क्यूएस-वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भी सम्मानजनक स्थान दिलाने तथा इस विश्वविद्यालय को सीखने का एक जीवंत संस्थान बनाने के लिए बहुत ही पारदर्शी, जवाबदेह, मूल्यांकन, निगरानी प्रक्रियाओं और प्रशासन को सुनिश्चित करना होगा। प्रशासन, शिक्षाविदों, अनुसंधान और प्रसार, ढांचागत विकास, कर्मचारियों के कल्याण और शिकायत निवारण से संबंधित हर गतिविधि के लिए ई-ऑफिस एवं ईआरपी यथाशीघ्र शुरू करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

आइए हम इस विश्वविद्यालय के गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने हेतु अपने विवेक एवं ज्ञान को एक साथ जोड़कर सामूहिक प्रयास से इसे आधुनिक कृषि शिक्षा और अनुसंधान का नालंदा बनाएं।

जय हिन्द!

डॉ. पी. एस. पाण्डेय

माननीय कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 26.09.2022 को गन्ना अनुसन्धान संस्थान, पूसा में "गन्ना उत्पादन और रोजगार सृजन के लिए विस्तार कार्मिक सुधार प्रौद्योगिकी" के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन किया।
- दिनांक 27.09.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में "औषधीय मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम" का उद्घाटन किया।
- दिनांक 27.09.2022 को विद्यापति सभागार में रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा के सभी संकाय सदस्यों को संबोधित किया।
- दिनांक 27.09.2022 को कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्योगिकी महाविद्यालय , पूसा के ई-सेल द्वारा आयोजित उद्यमिता पर छात्रों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 28.09.2022 को वर्चुअल मोड द्वारा भा.कृ.अनु.प. रैंकिंग के संबंध में एक बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 28.09.2022 को वर्चुअल मोड द्वारा भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान (सिफ़े), मुंबई के प्रबंधन बोर्ड की 48वीं बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 28.09.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा के सभी गैर-शिक्षण कर्मचारियों को संबोधित किया।
- दिनांक 28.09.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा के सभी स्नातकोत्तर छात्रों को संबोधित किया।
- दिनांक 28.09.2022 को विद्यापति सभागार में हिन्दी पखवाड़ा की पूर्व संध्या पर आयोजित काव्य सम्मेलन का शुभारंभ किया।
- दिनांक 29.09.2022 को कृषि व्यवसाय और ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा में "प्रभावी शासन और एफपीओ के प्रचार" पर 3-दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन किया।
- दिनांक 29.06.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा की शिक्षा परिषद बैठक की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 30.09.2022 को हैदराबाद में कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति सम्मेलन में भाग लिया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- **दिनांक 06 सितंबर 2022 सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी, लुधियाना** के निदेशक ने कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय,रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा का दौरा किया। रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा ने सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. नचिकेत कोटलीवाले के दौरे की मेजबानी की। डॉ. नचिकेत ने कॉलेज की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना- पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी पर प्रगति की चर्चा की। उन्होंने किसानों के अनुकूल मशीनों और उपकरणों के विकास की दिशा में कार्य पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के लिए तकनीकी मार्गदर्शन दिया।

- **दिनांक 13 सितंबर 2022 को** संचार केंद्र में कृषि अभियांत्रिकी की ओएफटी फाइनल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय के डॉ पीके प्रणव, डॉ रविश चंद्रा और डॉ विशाल कुमार विशेषज्ञ थे। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर और रा.प्र.के.कृ.वि.ने ओएफटी के लिए अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

- **अभियंता दिवस का आयोजन**

  कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा में 15 सितंबर 2022 को भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जन्मदिवस उर्फ इंजीनियर्स डे की जयंती पूरे उत्साह के साथ मनाई गई। आईएसएई-बिहार चैप्टर और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा द्वारा हाइब्रिड मोड में एक वेबिनार कृषि-गोदाम क्षेत्र में कृषि स्नातकों की भूमिका का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्री हरप्रीत सिंह, सदस्य, गोदाम विकास नियामक प्राधिकरण, भारत सरकार; श्री चंद्रसेन कुमार, उप. महाप्रबंधक, एफसीआई, पटना, इंजी. एग्रीविला के संस्थापक रौशन कुमार डॉ. एम.एन. झा, निदेशक शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि. और डॉ. पी.पी. श्रीवास्तव, अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

- **दिनांक 22-24 सितंबर, 2022 के दौरान बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची (झारखंड)** में आयोजित "बाढ़ और जलाशय अवसादन (LMPFRS-2022) को रोकने के लिए लैंडस्केप प्रबंधन" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। डॉ अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता,कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा ने 'जल सकारात्मक अवधारणाओं के साथ नवीन तकनीकों का उपयोग करके भारत के पूर्वी क्षेत्रों के प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन' पर एक मुख्य प्रस्तुति दी और तकनीकी सत्र 'मृदा संरक्षण, वाटरशेड और स्प्रिंग शेड प्रबंधन' में से एक की अध्यक्षता की।

- **उद्यमिता पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम**

  कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय , पूसा द्वारा दिनांक 27 सितंबर 2022 को उद्यमिता प्रकोष्ठ स्थापना (ई-सेल) के अवसर पर एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति, डॉ. पी.एस. पांडेय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। डॉ. पाण्डेय ने इस प्रकार के छात्र कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, की सराहना की जहां छात्रों को अपने अभिनव विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच मिलता है। कार्यक्रम को कृषि-उद्यमिता विशेषज्ञ श्री अतुल उज्जवल, सह-संस्थापक (ट्रोइका डेयरी) और पूर्व उपाध्यक्ष, यस बैंक और डॉ. नीरज कुमार, अधिष्ठाता एक्सआईएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने संबोधित किया। कार्यक्रम में आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय के लगभग 300 स्नातक छात्रों ने भाग लिया।

- **स्नातक (मत्स्य विज्ञान) के छात्रों** (8वें सेमेस्टर, बैच: 2019-23) का अध्ययन-सह-प्रदर्शन दौरा आयोजन 24 सितंबर को अरपुर एवं काश मत्स्य फार्म, बरियारिया, पूर्वी चंपारण में किया गया।

- **तिरहुत कृषि महाविद्यालय,** ढोली के 6वें सेमेस्टर के छात्रों की अंतिम अवधि की परीक्षा 29 अगस्त से 08 सितंबर 2022 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

अनुसंधान गतिविधियाँ

- **रिवर रैंचिंग प्रोग्राम प्रोजेक्ट के तहत, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** ने 7 सितंबर, 2022 को एनआईटी घाट, पटना में गंगा नदी में पशुपालन के लिए इंडियन मेजर कार्प के लगभग 3,26,000 फिंगरलिंग प्रदान किए।

- **कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय ने भारत-नेपाल वैज्ञानिक टीम की मेजबानी की।**

  ग्लोबल चेंज रिसर्च के लिए एशिया-पैसिफिक नेटवर्क (एपीएन) के वित्तीय समर्थन के तहत जलवायु स्मार्ट कृषि के लाभप्रदता मूल्यांकन पर काम कर रहे वैज्ञानिक पेशेवरों की भारत-नेपाल टीम ने 8 सितंबर 2022 को कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय का दौरा किया और संकाय के साथ अपने अनुभव साझा किए। परियोजना निदेशक, सीईसीसीए और सीएईटी के संकाय सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया।

- **कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी सर्विसेज एंड मेंटेनेंस टेक्नीशियन पर प्रशिक्षण आयोजित**

कृषि मशीनरी और उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए एक सेवा प्रदाता बनाने के लिए बिहार सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 10 अगस्त 2022 को कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय द्वारा "फार्म मशीनरी सर्विसेज एंड मेंटेनेंस टेक्नीशियन (एफएमएस एंड एमटी)" के लिए पांचवां, 26-दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- **जेडआरईएसी (रबी-2022) बैठक तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** द्वारा 16 सितंबर 2022 को आयोजित की गई। जोनल रिसर्च एंड एक्सटेंशन एडवाइजरी कमेटी रबी मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में बिहार के जोन-एक के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

- **राष्ट्रीय संगोष्ठी परिचर्चा**

निदेशक अनुसंधान और परियोजना निदेशक, जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केंद्र, ने दो दिनों के दौरान सुफलाम-2022 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में क्रमशः "बाढ़ के कारण और इसके प्रबंधन" और "सूखे के कारण और इसके प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया। दिनांक 22-23, सितंबर 2022 को संयुक्त रूप से आईआईटी, पटना, भारतीय किसान संघ द्वारा भा.कृ.अनु.प. और डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया।

- **कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया**

डॉ. एस.के. पटेल, विभागाध्यक्ष एफएमपीई, डॉ. पी.के. प्रणव सह प्राध्यापक एफएमपीई, डॉ. सुभाष चंद्रा और डॉ. जया सिन्हा, सहायक प्राध्यापक ने बामेती, बिहार द्वारा 23 सितंबर 2022 को बामेती पटना में कृषि उपकरणों और उपकरणों के परिचालन उपयोग, रखरखाव और मरम्मत पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। प्रगतिशील किसान, एटीएम, बीटीएम, कृषि समन्वयक और सहायक निदेशक इंजीनियरिंग आयोजन में भाग लिया

- **डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए कृषि विज्ञान अनुसंधान एवं विकास पर भागीदारी प्राथमिकता कार्यशाला में भाग लिया।**

नई दिल्ली में दिनांक 24 सितंबर 2022 को सेंट्रल सिस्टम्स इनिशिएटिव फॉर साउथ एशिया, सीआईएमएमवाईटी और भा.कृ.अनु.प.-शुष्क भूमि कृषि के लिए केंद्रीय अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यशाला में परियोजना निदेशक (सीएएससीसी) और एसोसिएट प्रोफेसर, कृषि मौसम विज्ञान के साथ निदेशक, अनुसंधान ने भाग लिया। कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन उपकरण की पर्याप्तता और जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए एक कृषि विज्ञान अनुसंधान एवं विकास ढांचा विकसित करने पर विचार-विमर्श किया गया।

- **रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा , पूसा ने बिहार में डिजिटल किसान सेवा (डीएॅफ़एस) प्लेटफॉर्म पर कार्यशाला में प्रतिनिधित्व किया**

निदेशक, अनुसंधान और सह प्राध्यापक (एग्रोमेट) ने संयुक्त रूप से कृषि विभाग, बिहार और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा 28 सितंबर 2022 को पटना में आयोजित "बिहार में डिजिटल किसान सेवा (डीएफएस) प्लेटफॉर्म" की कार्यशाला में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. एन. सरवण कुमार, सचिव, कृषि, बिहार सरकार ने की।

प्रसार गतिविधियाँ

- **उर्वरक डीलर के लाइसेंस के लिए आवश्यक 15 दिवसीय "एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन"** (आईऐनएम) प्रशिक्षण दिनांक 07-21 सितंबर, 2022 तक कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया में आयोजित किया गया। समापन समारोह में पद्मश्री राजकुमारी देवी ने शिरकत की।
- **14वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति** की बैठक दिनांक 08 सितंबर 2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर में आयोजित की गई। माननीय कुलपति निदेशक प्रसार शिक्षा ने समिति की बैठक में भाग लिया और कार्यो की समीक्षा की तथा आवश्यक सुझाव दिए।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर** ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) मशरूम (एससीएसपी) द्वारा वित्त पोषित एडवांस सेंटर ऑफ मशरूम रिसर्च, पूसा के सहयोग से दिनांक 08 सितंबर 2022 को बसहिया राम गांव, शिवहर में "फसल अवशेष आधारित सूक्ष्म उद्योग" योजना के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 60 एससी फार्म महिलाओं को मशरूम की खेती में प्रशिक्षित किया गया और अन्य 20 अनुसूचित जाति महिलाओं को कटाई और आगे की प्रक्रिया, पैकेजिंग और उत्पाद विपणन के लिए प्रशिक्षित किया गया।
- **दिनांक 17 सितंबर, 2022 को पोषण अभियान और वृक्षारोपण कार्यक्रम** के साथ आजादी का अमृत महोत्सव के तहत पोषण महा अभियान और किसान गोष्ठी का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र शिवहर, गोपालगंज, लाडा और तुर्की में किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय सांसद शिवहर श्रीमती रमा देवी ने मुख्य अतिथि के रूप में की और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर किसानों के बीच पोषण बीज के पैकेट और पौध वितरित किए गए। कार्यक्रम में 540 से अधिक किसानों ने भाग लिया और पौधों के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य में पोषण के महत्व को जाना।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज** ने दिनांक 7 सितंबर, 2022 को सिपाया गांव में जलवायु अनुकूल कृषि (सीआरए) कार्यक्रम के तहत "धान में एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम)" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। आईपीएम कीट प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है और धान जलवायु अनुकूलन अनाज की प्रमुख फसल है। सीआरए कार्यक्रम गोद लिए गए गांव के 50 प्रतिभागी किसानों के साथ आयोजित किया गया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, लाडा, समस्तीपुर** ने कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में आत्मा, समस्तीपुर द्वारा प्रायोजित जलवायु अनुकूल कृषि पर प्रशिक्षण सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया। लगभग 118 किसानों ने इस गोष्ठी में भाग लिया और वैज्ञानिकों के साथ बुवाई, खरपतवार प्रबंधन और पौध संरक्षण गतिविधियों के लिए उपलब्ध तकनीकों के बारे में बातचीत की, जो खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की** ने कृषि विज्ञान केंद्र आईएफएस मॉडल में नई मछली प्रजाति “पब्दा” को सम्मिलित किया गया। इस आयोजन के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के मछली तालाब में डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा और डॉ. मुकेश कुमार प्रधान वैज्ञानिक भाकृअनुप-अटारी, पटना ने 15 सितंबर 2022 को क्लस्टर फ्रंट लाइन डिमॉन्स्ट्रेशन (सीएफएलडी) रबी तिलहन सरसों संस्करण के तहत बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया एवं 26 सितंबर 2022 को राजेंद्र सुफलाम बीज का वितरण किया गया। इस आयोजन में 45 किसानों और खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, बेगूसराय** ने दिनांक 4 सितंबर 2022 को केवीके कैंपस में बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट के तहत फार्मर्स साइंटिस्ट इंटरफेस मीटिंग आयोजित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री. गिरिराज सिंह, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री भारत सरकार उपस्थित थे। डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा, ने अतिथियों का स्वागत किया, डॉ. पी.एस. ब्रह्मानंद, निदेशक, अनुसंधान ने बायोटेक किसान हब और अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। माननीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने लाभार्थी किसानों और किसान महिलाओं के बीच बकरी, बीज और रोपण सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर श्री कुंदन कुमार, विधायक बेगूसराय, डॉ. मृत्युंजय कुमार, कुलसचिव, डॉ. अनुपमा कुमारी, उप. निदेशक प्रसार शिक्षा , रा.प्र.के.कृ.वि., डॉ. राम पाल वरीय वैज्ञानिक और प्रमुख, केवीके बेगूसराय, वैज्ञानिक और प्रगतिशील किसान कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

- **"ट्रैक्टर की देखभाल और रखरखाव"** पर विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियांत्रिकी) के नेतृत्व में तीन दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया। विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियांत्रिकी) ने ट्रैक्टर के विभिन्न घटकों पर व्याख्यान दिया और युवा प्रतिभागियों को प्राथमिक ट्रैक्टर ड्राइविंग भी सिखाया।

- **मध्य विद्यालय दौलतपुर, बेगूसराय** द्वारा आयोजित पोषण मेला में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियांत्रिकी) के साथ पोषण मेला में भाग लिया तथा व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में 400 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और उन्होंने दैनिक जीवन में पोषक तत्वों के महत्व के बारे में जाना।

पुरस्कार, खेल और अन्य गतिविधियाँ

- **विश्वविद्यालय द्वारा** दिनांक 14 से 29 सितम्बर 2022 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्तर के कार्यक्रमों में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और कई पुरस्कार जीते।

- **एस.के. निराला और डॉ. मनीष कुमार,** सहायक प्राध्यापक, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया, और डॉ. आर.के. साहू, सहायक प्राध्यापक, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय को 22-24 सितंबर 2022 के दौरान बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची (झारखंड) में आयोजित "लैंडस्केप मैनेजमेंट फॉर प्रिवेंटिंग फ्लड एंड जलाशय सेडिमेंटेशन (एलएमपिऍफ़आरएस-2022)" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति से भी सम्मानित किया गया।
- **मिस अंजना कृष्णन,** तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली की स्नातक की छात्रा (बैच-2018-22) को मृदा विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय मास्टर के इरास्मस मुंडास कार्यक्रम के लिए चुना गया है और सुश्री आस्था प्रिया, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के छठे सेमेस्टर की छात्रा ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया।
- **पंडित दीनदयाल उपाध्याय** उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी, मोतिहारी, जिसका नाम महान समाज सुधारक, दूरदर्शी और दार्शनिक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा गया है, ने 25 सितंबर 2022 को उनकी जयंती मनाई। श्री प्रमोद कुमार, विधायक, डॉ. अरबिंद कुमार सिंह, प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, पीपराकोठी, मोतिहारी, प्रो. आर.के. झा सहित तमाम वैज्ञानिक व छात्र-छात्राएं महान शख्सियत को श्रद्धांजलि देने के लिए वहां मौजूद रहे।

- **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** के सभी वैज्ञानिकों ने 23-24 सितंबर 2022 को भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसन्धान संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित आत्मनिर्भर भारत के लिए सतत जलीय कृषि पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वर्चुअल सम्मेलन (हिंदी) में भाग लिया और मौखिक प्रस्तुति दी। डॉ. शिवेंद्र कुमार, सह प्राध्यापक, और टीम, ने सम्मेलन के दौरान बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन अवार्ड प्राप्त किया।

- **दिनांक 7 से 19 सितंबर, 2022 को** पोखरा नेपाल में "कृषि, वानिकी, पर्यावरण और खाद्य सुरक्षा पर वैश्विक प्रयास" (GAFEF-2022) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (हाइब्रिड मोड) के दौरान तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के वैज्ञानिकों ने भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किए।